राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज

5, लाजपतराय रोड़ प्रयागराज –211002

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (नासी), प्रयागराज के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु दिनांक 23 दिसम्बर, 2024 को सायं 4 बजे प्रो. एम.जी.के. मेनन हाल में एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विशिष्ट अतिथि एवं प्रवक्ता के रूप में श्री प्रमोद कुमार द्विवेदी, सहायक निदेशक (राजभाषा) मोतीलाल नेहरू, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज, को आमंत्रित किया गया था। जिसकी अध्यक्षता डॉ सन्तोष शुक्ला, अधिशासी सचिव (अध्यक्ष, रा0का0स0) ने की।

उक्त बैठक में निम्नलिखित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

1. डॉ सन्तोष शुक्ला, अधिशासी सचिव एवं अध्यक्ष, रा0का0स0
2. श्रीमती दीप्ति जायसवाल, सहायक – सदस्य, रा0का0स0
3. श्री शक्तिशील चतुर्वेदी, सहायक – सदस्य सचिव एवं कोषाध्यक्ष रा0का0स0
4. श्री अंकित कुमार त्रिवेदी, सहायक – सदस्य, रा0का0स0
5. श्री राघवेन्द्र प्रताप, सहायक – सदस्य, रा0का0स0
6. श्री नवीन कुमार श्रीवास्तव, सहायक – सदस्य, रा0का0स0
7. श्रीमती मीरा शुक्ला, गंगा गैलरी सहायक (संविदा) – अतिथि सदस्य, रा0का0स0
8. श्री राजीव मिश्र, लेखाविभाग सहायक (संविदा) – अतिथि सदस्य, रा0का0स0
9. कु0 रश्मि मिश्रा, सहायक (संविदा) – अतिथि सदस्य, रा0का0स0
10. आशुतोष मिश्रा, सहायक (संविदा) – अतिथि सदस्य, रा0का0स0
11. श्री लक्ष्य मेहरोत्रा, सहायक (संविदा) – अतिथि सदस्य, रा0का0स0

सहायक अधिशाषी सचिव
नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस,इण्डिया
प्रयागराज-211002

हिंदी के प्रगामी प्रयोग के विषयान्तर्गत **'कार्यालयीय कार्यों में हिंदी भाषा का प्रयोग एवं राजभाषा नीति' के विषय** पर आयोजित हिंदी कार्यशाला में श्री प्रमोद कुमार द्विवेदी जी ने बताया कि, प्रथम दृष्टया देश में स्वतन्त्रता के बाद संविधान सभाओं में लम्बी चर्चा के उपरान्त हिंदी को 14 सितम्बर, 1949 में राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया इसके बाद संविधान में अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा के संबन्ध में व्यवस्था की गई। इसी स्मृति को यादगार रखने हेतु 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। 07 जून, 1955 को राजभाषा आयोग की नियुक्ति भी की गई जिसमें राजभाषा के बारे में संवैधानिक एवं विधिक प्रावधानों के अनुपालन तथा संघ के कार्यालयीय प्रयोजनो हेतु हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए 1975 में गृह मंत्रालय के स्वतन्त्र विभाग के रूप में राजभाषा विभाग की स्थापना की गई। तभी से संघ के कार्यालयीय प्रयोजनो हेतु हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए प्रयासरत है जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों को मुख्यतः तीन भागों में वर्गीकृत किया गया है जिनमें क क्षेत्र में उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, विहार, झारखण्ड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, अंडमान निकोबार एवं हरियाणा क्रमवार ख क्षेत्र में गुजरात, महाराष्ट्र एवं पंजाब तथा ग क्षेत्र में उपरोक्त राज्यों को छोड़ कर देश के अन्य सभी राज्य शामिल है। केन्द्रशासित राज्यों की सूची में क क्षेत्र में दिल्ली और अंडमान निकोबार, ख क्षेत्र में दमनद्वीप और लक्ष्यद्वीप एवं ग क्षेत्र में केवल चंडीगढ़ शामिल है। श्री द्विवेदी जी ने टूल कंठस्थ, अनुवादिनी तथा भाषिणी मोबाइल हिंदी ऐप के बारे में बताया कि इस ऐप के उपयोग करने से हिंदी में सुगमता से अनुवाद किया जा सकता है। कार्यालय के कुछ सदस्यो के प्रश्नों के स्पष्टीकरण में यह अवगत कराया कि किसी भी भाषा के पत्र हेतु निर्गत/जारी के सन्दर्भ में उसी भाषा में हस्ताक्षर करने की अनिवार्यता आवश्यक नही है क्योकि हस्ताक्षर एक सिंबल है आप जिस भी भाषा में चाहे हस्ताक्षर कर सकते है।

अन्य प्रश्नों के स्पष्टीकरण में यह बोध हुआ कि किसी भी क्षेत्र से हिंदी में प्राप्त पत्रादि के उत्तर में नियम (3) के अनुसार हिंदी में ही दिये जाने चाहिए। हिंदी और अंग्रेजी दोनो का प्रयोग अधिनियम धारा (3) की उपधारा (3) में निर्दिष्ट सभी 14 दस्तावेजों जैसे कि 1. सामान्य आदेश 2. संकल्प 3. परिपत्र 4. नियम 5. प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदन 6. प्रेस विज्ञप्तियां 7. संविदाएं 8. करार 9. अनुज्ञप्तियां 10. निविदा प्रारूप 11. अनुज्ञा पत्र 12.

सहायक अधिशासी सचिव
नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस,इण्डिया
प्रयागराज-211002

निविदा सूचनाएं 13. अधिसूचनाएं 14. संसद के समक्ष रखे जाने वाले प्रतिवेदन आदि कागज पत्र के लिए हिंदी एवं अंग्रेजी अर्थात द्विभाषी का प्रयोग किया जाना चाहिए।

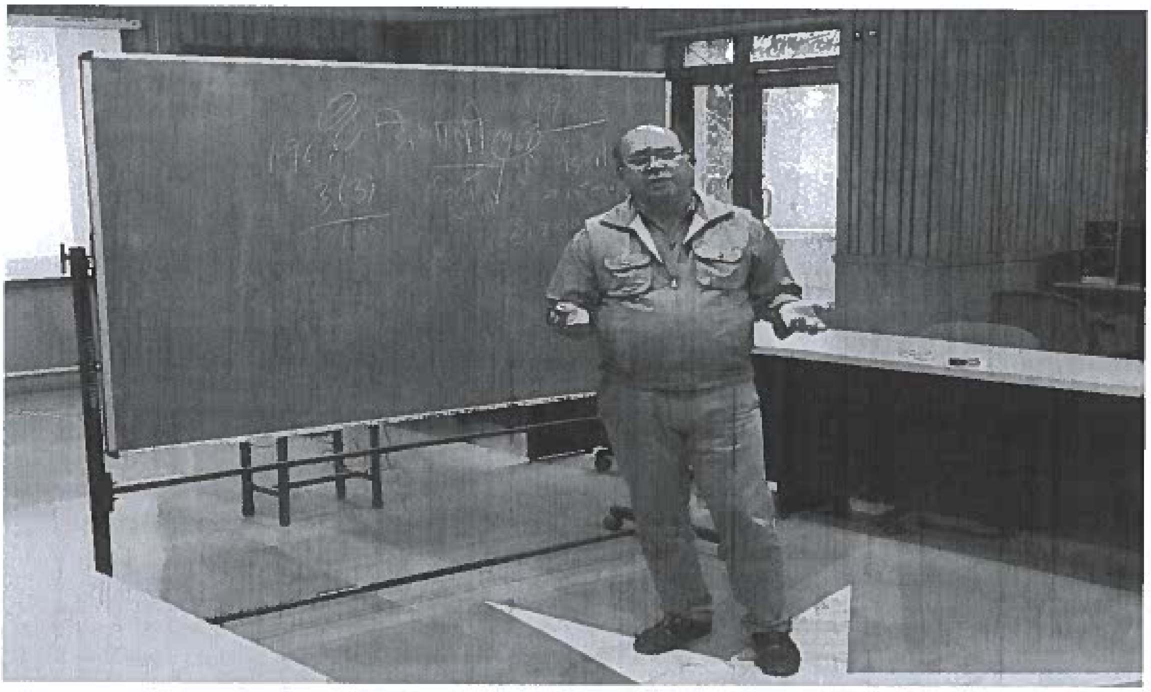

श्री दिवेद्वी जी ने हिंदी नियम के बारे में भी कुछ बिन्दुओं पर प्रकाश डाला जो निम्नलिखित है–

1. 1976 के नियम(5) के अनुसार केन्द्र/राज्य सरकार के कार्यालयों से हिंदी में प्राप्त पत्र आदि का उत्तर हिंदी में ही दिया जाना चाहिए।
2. नियम(12) के अनुसार केन्द्र/राज्य सरकार के प्रत्येक कार्यालय के प्रशासनिक प्रधान का यह उत्तरदायित्व है कि वह सुनिश्चित करे कि कार्यालय में राजभाषा अधिनियम और नियमों का समुचित पालन हो।
3. राजभाषा अधिनियम 8(4) के अनुसार केन्द्र/राज्य सरकार ऐसे अधिसूचित कार्यालयों के हिंदी में प्रवीण कर्मचारियों को टिप्पणी, प्रारूप एवं अन्य शासकीय कार्यों को सिर्फ हिंदी में करने का आदेश दे सकती है।
4. राजभाषा अधिनियम (11) के अनुसार नेमप्लेट, रजिस्टर इत्यादि द्विभाषी होना चहिए।

सहायक अधिशाषी सचिव
नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस,इण्डिया
प्रयागराज-21100

5. राजभाषा अधिनियम (6) के अंतर्गत ऐसे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति का दायित्व यह सुनिश्चित करना होता है कि ऐसे दस्तावेज हिंदी एवं अंग्रेजी दोनो भाषाओं में तैयार, निष्पादित अथवा जारी किये जाएं।

6. टिप्पणी आदि के सन्दर्भ में अवगत कराया कि क क्षेत्र के स्थित कार्यालयों में टिप्पणी 75% हिंदी में, ख क्षेत्र के स्थित कार्यालयों में टिप्पणी 50% हिंदी में, एवं ग क्षेत्र के स्थित कार्यालयों में टिप्पणी 30% हिंदी में होने चाहिए।

7. पत्राचार आदि के सन्दर्भ में अवगत कराया कि क क्षेत्र के स्थित कार्यालयों में पत्राचार 100% हिंदी/द्विभाषी में, ख क्षेत्र के स्थित कार्यालयों में पत्राचार 100% हिंदी/द्विभाषी में, एवं ग क्षेत्र के स्थित कार्यालयों में पत्राचार 65% हिंदी/द्विभाषी में होने चाहिए।

8. केन्द्रीय/राज्य सरकार के कार्यालय क्षेत्र 'क' में स्थित किसी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र को किसी कार्यालय द्वारा (जो केन्द्रीय/राज्य सरकार का कार्यालय न हो) असाधारण दशाओं को छोड़कर हिन्दी के कोई पत्रादि अंग्रेजी में भेजे जाते है तो उनके साथ उसका हिन्दी अनुवाद भी भेजा जाना चाहिए।

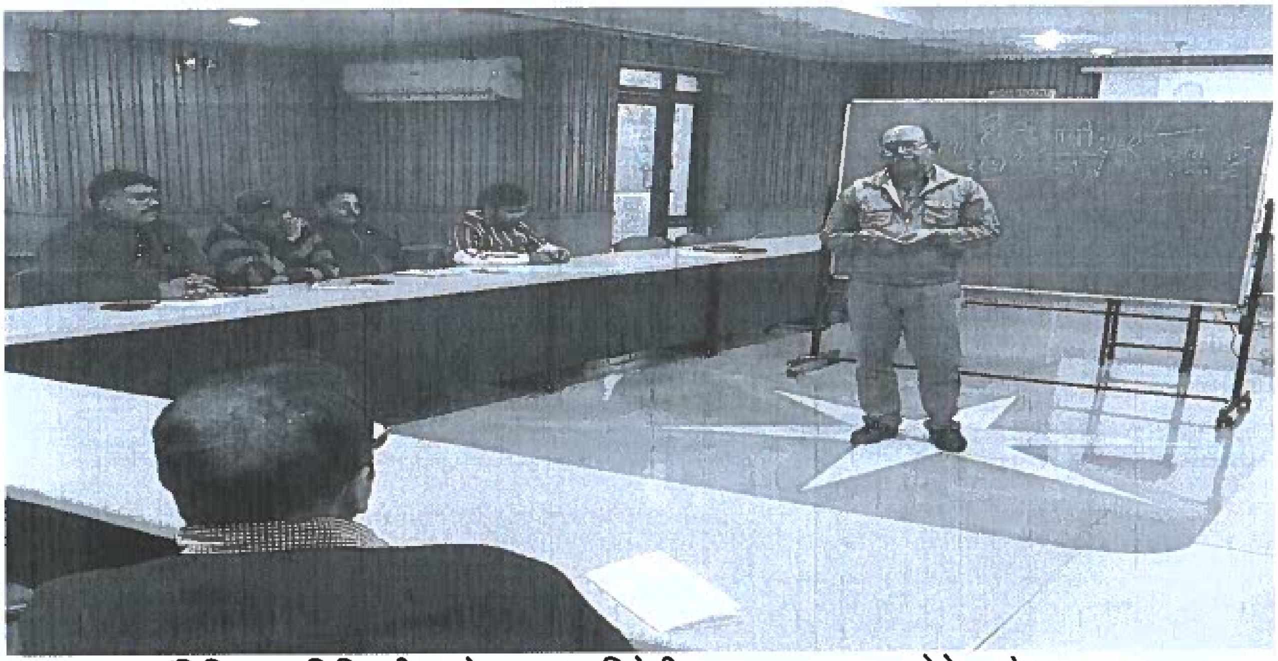

(विशिष्ट अतिथि श्री प्रमोद कुमार द्विवेदी, अपना व्याख्यान देते हुए)

कार्यशाला के अंत में डॉ सन्तोष शुक्ला, अधिशासी सचिव (अध्यक्ष, रा0का0स0) ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए बताया कि अकादमी वर्ष पर्यन्त अपने हेड क्वाटर प्रयागराज एवं देश भर में फैले 21 चैप्टरों के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित सभी शाखाओं में विकास एवं

सहायक अधिशासी सचिव
नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस,इण्डिया
प्रयागराज-211002

संवर्धन हेतु भिन्न भिन्न स्थानों पर हिंदी/द्विभाषी या स्थानीय भाषाओं में अनेक कार्यक्रम आयोजित करती है जो कि हिंदी के प्रचार–प्रसार का एक सुगम माध्यम है।

सभा के समापन में श्री द्विवेदी जी के वक्तव्य से कार्यालय कार्यो में हिन्दी प्रगामी प्रयोग से संबंधित रोचक जानकारी मिली जिससे भविष्य में हिंदी के कार्यों में सुगमता एवं लाभ प्राप्त होगें।

(कार्यालय के सभी अधिकारी/कर्मचारीगण विशिष्ट अतिथि का वक्तव्य सुनते हुए)

सादर–धन्यवाद।

भवदीय

(शक्तिशील चतुर्वेदी)
सदस्य सचिव एवं कोषाध्यक्ष, रा0का0स0
नासी प्रयागराज

सहायक अधिशाषी सचिव
नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस,इण्डिया

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज

5 लाजपतराय रोड प्रयागराज –211002

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (नासी), प्रयागराज के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक 19 सितम्बर 2024 को साय: 4 बजे प्रो. एम.जी.के. मेनन हाल में सम्पन्न हुई जिसकी अध्यक्षता डॉ सन्तोष शुक्ला, अधिशासी सचिव (अध्यक्ष, रा0का0स0) ने की।

उक्त बैठक में निम्नलिखित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

1. डॉ सन्तोष शुक्ला, अधिशासी सचिव, अध्यक्ष, रा0का0स0
2. डॉ पवित्रा टंडन, सहा0 अधिशासी सचिव, उपसचिव रा0का0स0
3. श्रीमती दीप्ति जायसवाल, सहायक – सदस्य रा0का0स0
4. श्री शक्तिशील चतुर्वेदी, सहायक – सदस्य, सचिव रा0का0स0
5. श्री अंकित कुमार त्रिवेदी, सहायक – सदस्य, रा0का0स0
6. श्री नवीन कुमार श्रीवास्तव, सहायक – सदस्य, रा0का0स0
7. सुश्री अर्चना पन्त, युवा महिला वैज्ञानिक – अतिथि सदस्य, रा0का0स0
8. श्रीमती मीरा शुक्ला, गंगा गैलरी सहायक (संविदा) – अतिथि सदस्य, रा0का0स0
9. श्री राजीव मिश्र, लेखाविभाग सहायक (संविदा) – अतिथि सदस्य, रा0का0स0
10. कु0 रश्मि मिश्रा, सहायक (संविदा) – अतिथि सदस्य, रा0का0स0
11. आशुतोष मिश्रा, सहायक (संविदा) – अतिथि सदस्य, रा0का0स0
12. श्री लक्ष्य मेहरोत्रा, सहायक (संविदा) – अतिथि सदस्य, रा0का0स0

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज

5 लाजपतराय रोड प्रयागराज –211002

हिंदी समिति की बैठक (19 सितम्बर, 2024) की कार्यसूची

1. दिनांक 21 जून, 2024 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति के कार्यवृत्त की पुष्टि।

2. हिन्दी पखवाड़ा (13 से 27 सितम्बर, 2024) के अर्न्तगत निम्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया :–

   क. निबन्ध ''पोषण में हिंदी भाषा का महत्व''

   ख. प्रशासनिक शब्दावली

3. भा.वा.अ.शि.प.– पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के साथ हिंदी में संयुक्त रूप से कार्यशाला आयोजित किये जाने के बारे में विचार।

4 अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य विषय।

हिन्दी पखवाड़े के दौरान दो प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें कि निबन्ध लेखन प्रतियोगिता दिनांक 23 सितम्बर 2024 को **''पोषण में हिंदी भाषा का महत्व''** विषय पर आयोजित की गई।

(निबन्ध एवं प्रसाशनिक शब्दावली प्रतियोगिता में भाग लिए हुए नासी स्टाफ)

निबन्ध प्रतियोगिता में श्री राघवेन्द्र प्रताप, सुश्री रश्मि मिश्रा एवं श्री नवीन श्रीवास्तव को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं श्री आशुतोष मिश्रा, तथा श्री सूरज कुमार को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

इसी क्रम में दिनांक 25/09/2024 को शब्दावली प्रतियोगिता में श्री राघवेन्द्र प्रताप, श्री नवीन श्रीवास्तव एवं श्रीमती मीरा शुक्ला को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा श्री लक्ष्य मेहरोत्रा, श्री अभिषेक वर्मा को सांत्वना पुरस्कार के लिए चयनित किया गया।

निबन्ध प्रतियोगिता –

1. श्री राघवेन्द्र प्रताप – प्रथम
2. सुश्री रश्मि मिश्रा – द्वितीय
3. श्री नवीन श्रीवास्तव – तृतीय

सांत्वना पुरस्कार– श्री आशुतोष मिश्रा, श्री सूरज कुमार

शव्दावली प्रतियोगिता –

1. श्री राघवेन्द्र प्रताप – प्रथम
2. श्री नवीन श्रीवास्तव – द्वितीय
3. श्रीमती मीरा शुक्ला – तृतीय

सांत्वना पुरस्कार– श्री लक्ष्य मेहरोत्रा, श्री अभिषेक कुमार वर्मा

समापन समारोह के सन्दर्भ में डॉ सन्तोष शुक्ला, अधिशासी सचिव (अध्यक्ष,रा0का0स0) ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा डॉ सन्तोष शुक्ला, ने उपस्थित सदस्यों से आग्रह भी किया कि वे अकादमी में हिंदी में अधिक से अधिक कार्यो को करने का प्रयास करें।

डॉ शुक्ला, ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके लेखो की गुणवत्ता में उत्कृष्टता तथा अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लेते समय संबंधित विषयवस्तु पर पूर्व सन्वेषण करने की आवश्यकता पर बल दिया। इन प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन वाले लेखों आदि को राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्या0–2), प्रयागराज की पत्रिका **''त्रिवेणी प्रवाह''** में चयन हेतु प्रेषित भी किये जाते है। डॉ सन्तोष शुक्ला, अधिशासी सचिव (अध्यक्ष, रा0का0स0) तथा डॉ पवित्रा टंडन सहा0 अधिशासी सचिव, उपसचिव रा0का0स0 द्वारा हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार राशि दे कर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (नासी) प्रयागराज में हिन्दी पखवाड़ा 2024 का समापन समारोह के विषयान्तर्गत वैज्ञानिक शोध का प्रचार–प्रसार राजभाषा में किये जाने पर बल दिया गया। भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज एवं नासी द्वारा संयुक्त रूप से हिंदी पखवाड़ा (13 सितम्बर से 27 सितम्बर 2024) के अतर्गत दिनांक 27/09/2024 को **''प्रकृति पर्यावरण एवं वन''** विषय पर राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें 30 से भी अधिक शोध पत्र शोधार्थीयों द्वारा डिजिटल माध्यम से हिंदी में प्रस्तुत किये गये। हिंदी भाषा में ही पूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रो0 सत्यकाम, कुलपति, राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रो0 संजय सिंह, वैज्ञानिक जी, एवं हेड, श्री अजय कुमार चौधरी, सहायक निदेशक (कार्यान्यवन) (राजभाषा विभाग, गृह, मंत्रालय,) श्री प्रमोद कुमार द्विवेदी, सहायक निदेशक, राजभाषा (नराकास, प्रयागराज) डॉ0 सन्तोष शुक्ला (अधिशासी सचिव, नासी प्रयागराज) आदि गणमान्य उपस्थित थे। इस कार्यशाला में प्रकृति एवं पर्यावरण पर व्याख्यान दिये गये। जिसमें नासी के सभी कर्मचारियों एवं भा.वा.अ.शि.प. के सभी कर्मचारियों ने भाग लिया साथ ही साथ विभिन्न विद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया।

(समापन सत्र के दौरान मंचासीन अतिथिगण)

डॉ शुक्ला, ने सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा सभी को अकादमी द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किये गये कार्यो के बारे में अवगत कराया। इसके अलावा श्री प्रमोद द्विवेदी जी ने हिंदी के सन्दर्भ में क्या नये कदम उठा सकते है, प्रचार–प्रसार की गतिविधियाँ मोबाइल द्वारा प्रचार का माध्यम, शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण गतिविधियाँ क्या हो सकती है इस पर भी चर्चा की। मुख्य अतिथि राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय से आये श्री अजय कुमार चौधरी ने अपने उद्‌बोधन में केंद्र सरकार द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों के बारे में अवगत कराया तथा इस बात पर भी बल दिया कि अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर हिंदी के प्रगामी प्रयोग एवं प्रचार–प्रसार द्वारा संबंधित कार्यशाला को पूर्णरूप से सफल बनाया जा सकता है।

(अतिथि गणों द्वारा विभिन्न शोध पुस्तकों का विमोचन)

अंत में मुख्य अतिथि प्रो0 सत्यकाम, कुलपति, राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, ने हिंदी में प्रकृति एवं पर्यावरण से संबंधित पुस्तकों का विमोचन किया और आग्रह किया कि नासी एवं भा.वा.अ.शि.प. अपने–अपने प्रकाशनों का हिंदी रूपान्तरण करे तथा इनसे संबंधित यूनिवर्सिटी सर्टिफिकेट कोर्स भी इसी सत्र में शुभारम्भ करने के लिए आग्रह किया।

(समापन समारोह के उपरान्त मुख्य अतिथि, शोधार्थी एव समस्त स्टाफ)

इस समापन सत्र को विभिन्न मीडिया चैनलो द्वारा कवेरेज कर समाचार पत्रों में भी प्रकाशित किया ।

यागराज, शनिवार, 28 सितम्बर, 2024 — **3**

एक दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी सम्पन्न

संगम शपथ संवाददाता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज एवं राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के संयुक्त तत्त्वाधान में हिंदी पखवाड़ा के अन्तर्गत 'प्रकृति, पर्यावरण एवं वन' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि आचार्य सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज तथा मंचासीन गणमान्यों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए बताया कि वैज्ञानिक अनुसंधान को जन सामान्य तक पहुँचाना आवश्यक है, जिसके लिए हिंदी उपयुक्त माध्यम है। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अधिशासी सचिव डॉ. सन्तोष शुक्ला ने उद्बोधन में अकादमी के द्वारा विज्ञान प्रसार के कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आयोजन सचिव डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया गया। विशिष्ट अतिथि अजय कुमार चौधरी, सहायक निदेशक, राजभाषा, भारत सरकार, गाजियाबाद ने कार्यालय में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि आचार्य सत्यकाम ने हिंदी माध्यम से आयोजित कार्यक्रम की सराहना की तथा अपने उद्बोधन में कहा कि विज्ञान की भाषा को विभिन्न लोक भाषाओं से शब्द आत्मसात करके सरलीकृत करने से ही लाभ होगा। उन्होने कहा कि यदि आपका संस्थान विज्ञान के क्षेत्र में किसी प्रकार की अध्ययन सामग्री तैयार करने का इच्छुक हो, जो विद्यार्थियों के हित में हो तो इसे विश्वविद्यालय के सर्टिफिकेट कोर्स में सम्मिलित किया जा सकता है। केन्द्र द्वारा प्रकाशित यथा-वृक्षारोपण तकनीक, कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु-चन्दन, कृषिवानिकी में उपयोगी मीलिया डूबिया, कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु-सहजन की खेती तथा समृद्धि का सतत साधन-महोगनी के साथ कृषिवानिकी प्रजातियाँ एवं प्रबन्धन विषय पर आधारित अनुसंधान पुस्तिका का विमोचन किया गया।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. धनंजय चोपड़ा, मीडिया एवं सम्पर्क विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा बदलती दुनिया, बदलती प्रकृति और जन-जागरूकता विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि भाषा की गतिशीलता को रोकने का प्रयास न किया जाए। प्रथम तकनीकी सत्र में आमंत्रित वक्ता के रूप में डॉ. उमेश कुमार सिंह, पर्यावरण विज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा कृषि और मानव स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव विषय पर तथा डॉ. शैलेन्द्र राय, प्रोफेसर, के. बनर्जी, वायुमण्डलीय महासागर अध्ययन केन्द्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के द्वारा भारतीय ग्रीष्म कालीन मानसून भविष्यवाणी की चुनौतियां और सम्भावनाएं विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। तकनीकी व्याख्यान में डॉ. मृदुला त्रिपाठी, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, सीएमपी डिग्री कॉलेज तथा डॉ. पूनम शुक्ला, सहा. प्रोफेसर, हेमवती नन्दन बहुगुणा महाविद्यालय के साथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। द्वितीय तकनीकी सत्र आमंत्रित वक्ता के रूप में डॉ. अश्वनी कुमार, एसो. प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय तथा डॉ. सत्येन्द्र नाथ, एसो. प्रोफेसर, वानिकी महाविद्यालय, शुआट्स द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

(विभिन्न समाचार पत्रों में छपे हुए लेख)

एक दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज एवं राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के संयुक्त तत्त्वाधान में हिंदी पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक 27.09.2024 को 'प्रकृति, पर्यावरण एवं वन' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि आचार्य सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज तथा मंचासीन गणमान्यों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए बताया कि वैज्ञानिक अनुसंधान को जन सामान्य तक पहुँचाना आवश्यक है, जिसके लिए हिंदी उपयुक्त माध्यम है। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अधिशासी सचिव डॉ. सन्तोष शुक्ला ने उद्बोधन में अकादमी के द्वारा विज्ञान प्रसार के कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आयोजन सचिव डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया गया। विशिष्ट अतिथि अजय कुमार चौधरी, सहायक निदेशक, राजभाषा, भारत सरकार, गाजियाबाद ने कार्यालय में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने का

आह्वान किया। मुख्य अतिथि आचार्य सत्यकाम ने हिंदी माध्यम से आयोजित कार्यक्रम की सराहना की तथा अपने उद्बोधन में कहा कि विज्ञान की भाषा को विभिन्न लोक भाषाओं से शब्द आत्मसात करके सरलीकृत करने से ही लाभ होगा। उन्होने कहा कि यदि आपका संस्थान विज्ञान के क्षेत्र में किसी प्रकार की अध्ययन सामग्री तैयार करने का इच्छुक हो, जो विद्यार्थियों के हित में हो तो इसे विश्वविद्यालय के सर्टिफिकेट कोर्स में सम्मिलित किया जा सकता है। केन्द्र द्वारा प्रकाशित यथा-वृक्षारोपण तकनीक, कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु-चन्दन, कृषिवानिकी में उपयोगी मीलिया डूबिया, कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु-सहजन की खेती तथा समृद्धि का सतत साधन-महोगनी के साथ कृषिवानिकी प्रजातियाँ एवं प्रबन्धन विषय पर आधारित अनुसंधान पुस्तिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. धनंजय चोपड़ा, मीडिया एवं सम्पर्क विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा बदलती दुनिया, बदलती प्रकृति और जन-जागरूकता विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि भाषा की गतिशीलता को रोकने का प्रयास न किया जाए। प्रथम तकनीकी सत्र में आमंत्रित वक्ता के रूप में डॉ. उमेश कुमार सिंह, पर्यावरण विज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा कृषि और मानव स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव विषय पर तथा डॉ. शैलेन्द्र राय, प्रोफेसर, के. बनर्जी, वायुमण्डलीय महासागर अध्ययन केन्द्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के द्वारा भारतीय ग्रीष्म कालीन मानसून भविष्यवाणी की चुनौतियां और सम्भावनाएं विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। तकनीकी व्याख्यान में डॉ. मृदुला त्रिपाठी, प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, सीएमपी डिग्री कॉलेज तथा डॉ. पूनम शुक्ला, सहा. प्रोफेसर, हेमवती नन्दन बहुगुणा महाविद्यालय के साथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। द्वितीय तकनीकी सत्र आमंत्रित वक्ता के रूप में डॉ. अश्वनी कुमार, एसो. प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय तथा डॉ. सत्येन्द्र नाथ, एसो. प्रोफेसर, वानिकी महाविद्यालय, शुआट्स द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। तकनीकी व्याख्यान में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव एवं डॉ अनुभा श्रीवास्तव के साथ प्रेम कुमार पटेल, डॉ. आदिनाथ, प्रोफेसर, नेहरू ग्राम भारती समविश्वविद्यालय, डॉ. पंकज श्रीवास्तव, सहा. प्रोफेसर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अन्तिम सत्र में विद्यार्थियों यथा उज्जी पुष्प लता, अनूप कुजूर, रूपम दास, महुआ पाल, स्वाती प्रिया, राहुल निषाद, दर्शिता रावत, आशीष कुमार यादव, सत्यव्रत सिंह तथा सांचिली वर्मा आदि शोध छात्रों द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रस्तुत सारांश का व्याख्यान दिया गया। संगोष्ठी में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

(विभिन्न समाचार पत्रों में छपे हुए लेख)

अंत में डॉ अनुभा श्रीवास्तव, (वैज्ञानिक डी), भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज ने धन्यवाद ज्ञापन कर उपस्थित सभी अतिथियों को सम्मानित किया।

हिंदी में वर्षपर्यन्त उत्कृष्ट कार्य करने हेतु पुरस्कार

1. श्री शक्तिशील चतुर्वेदी– हिंदी में समस्त कार्यालयीय प्रतिवेदन बनाकर राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नराकास एवं राजभाषा विभाग (डीएसटी) को भेजने के साथ–साथ संसदीय राजभाषा समिति (निरीक्षण दिनांक 29 नवम्बर, 2023) तथा राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय निरीक्षण (27 सितम्बर, 2024) को भी सफलता पूर्वक आयोजित करवाने एवं अन्य दैनिक प्रशासनिक कार्यो में भी हिंदी का प्रयोग करने हेतु प्रथम पुरस्कार दिया जा रहा है।
2. श्री राजीव मिश्रा – लेखाविभाग के पत्रों को हिंदी में लिखने, हिंदी टंकण करने एवं दैनिक लेखाविभाग संबंधित कार्यो में हिंदी का प्रयोग करने हेतु द्वितीय पुरस्कार दिया जा रहा है।
3. श्री आशुतोष मिश्रा – अकादमी के प्रेषण अनुभाग के कार्यो को हिंदी में सुचारू रूप करने हेतु तृतीय पुरस्कार दिया जा रहा है।

   सादर –सधन्यवाद

भवदीय

(शक्तिशील चतुर्वेदी)
सहायक सदस्य, सचिव रा0का0स0
नासी प्रयागराज

केंद्रीय सरकार के मंत्रालयों/ विभागों/संबद्ध व अधीनस्थ कार्यालयों/स्वायत्त निकायों आदि में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित तिमाहीप्रगति रिपोर्ट

तिमाही- जुलाई-सितंबर,2024

भाग-I (प्रत्येक तिमाही में भरा जाए)

1.	कार्यालय/उपक्रम का नाम एवं पता	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (नासी), 5 लाजपत राय रोड, न्यू कटरा प्रयागराज -211002
2.	संबंधित मंत्रालय/विभाग का नाम	विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)
3.	प्रशासनिक प्रधानका नाम, पदनाम एवं दूरभाष/फैक्स नंबर	डॉ संतोष कुमार शुक्ला, अधिशाषी सचिव अध्यक्ष (राजभाषा कार्यान्वयन समिति) 0532-2640224
4.	राजभाषा सम्बंधित कार्यकारी का नाम, पदनाम एवं दूरभाष नं.	शक्तिशील चतुर्वेदी (सदस्य सचिव , राजभाषा कार्यान्यवन समिति)
5.	ई-मेल	nasi.allahabad1@gmail.com

1. राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत जारी कागजात*।

(क) जारी कागजात की कुल संख्या	30
(ख) द्विभाषी रूप में जारी कागजात की संख्या	30
(ग) इनमें से केवल अंग्रेजी में जारी किये गये कागजात	00
(घ) केवल हिन्दी में जारी किए गए कागजात	00

*इनमें सामान्य आदेश, ज्ञापन, संकल्प, अधिसूचनाएं, नियम, करार, संविदा, टैंडर नोटिस, संसदीय प्रश्न आदि शामिल हैं।

(नोट: - इस धारा के अंतर्गत आने वाले सभी दस्तावेज द्विभाषी जारी किया जाना अनिवार्य है)

2. हिंदी में प्राप्त पत्र

(क) हिंदी में प्राप्त कुल पत्रों की संख्या	230
(ख) इनमें से कितनों के उत्तर हिंदी/द्विभाषी में दिए गए	208
(ग) इनमें से कितनों के उत्तर अंग्रेजी में दिए गए	0
(घ) इनमें से कितनों के उत्तर दिए जाने अपेक्षित नहीं थे	22

(नोट: राजभाषा नियमावली, 1976 के नियम 5 के अंतर्गत हिन्दी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिन्दी में ही दिए जाएंगे)

3. अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिन्दी में दिए जाने की स्थिति

अधिशासी सचिव
राष्ट्रीय विज्ञान अ...

	अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों की संख्या	इनमें से कितनों के उत्तर हिंदी में दिए गए	इनमें से कितनों के उत्तर अंग्रेजी में दिए गए	इनमें से कितनों के उत्तर अपेक्षित नहीं थे।
	1	2	3	4
'क' क्षेत्र सं	**172**	**25**	**0**	147
'ख' क्षेत्र सं	**23**	**1**	**0**	22

(नोट: 'क' और 'ख' क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के लिए अंग्रेजी में प्राप्त होने वाले पत्रों के उत्तर हिंदी में दिया जाना अपेक्षित है)

4. भेजे गये कुल पत्रों का ब्यौरा ।

	हिंदी/द्विभाषी में	केवल अंग्रेजी में	भेजे गए पत्रों की कुल संख्या	हिंदी/द्विभाषी में भेजे गए पत्रों का प्रतिशत
	1	2	3	4
'क' क्षेत्र को	**415**	**0**	**417**	99.52%
'ख' क्षेत्र को	**190**	**0**	**190**	100%
'ग' क्षेत्र को	**406**	**0**	**406**	100%

5. फ़ाइलों/दस्तावेज़ों पर टिप्पण लेखन का ब्योरा

(तिमाही के दौरान)	हिन्दी में	अंग्रेजी में	कुल संख्या
फ़ाइलों/दस्तावेज़ों पर लिखी गई टिप्पणियों के पृष्ठों की संख्या	**95**	**0**	**95**

6. हिन्दी कार्यशालाएं

तिमाही के दौरान पूर्ण दिवसीय आयोजित कार्यशालाओं की संख्या	प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या	प्रशिक्षित कर्मचारियों की संख्या
01	02	06

अधिशासी
सचिव
राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत
प्रयागराज-211002

7. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

(क) राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक की तिथि- 19/09/2024

(ख) अधीनस्थ कार्यालयों में गठित राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की संख्या- 00

(ग) तिमाही में आयोजित बैठकों की संख्या- 01

(घ) बैठकों से संबंधित कार्यसूची और कार्यवृत्त क्या हिन्दी में जारी किए गए? जी हाँ

8. तिमाही में किए गए उल्लेखनीय कार्य/उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण

तिमाही के दौरान हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत 23 सितम्बर 2024 को निबंध प्रतियोगिता ("पोषण में हिंदी भाषा का महत्त्व")एवं 25 सितम्बर 2024 को प्रशानिक शब्दावली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया , इसके समापन समारोह के अवसर पर दिनांक 27 सितम्बर 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (नासी), एवं भा० वा० अ० शि० प०-पारिस्थिकी पुनर्स्थापन केंद्र प्रयागराज दोनों विभागों ने संयुक्त रूप से एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमे राजर्षि टंडन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो सत्यकाम ,श्री अजय कुमार चौधरी (सहायक निदेशक कार्यान्वयन राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय), श्री प्रमोद द्विवेदी (सहायक निदेशक, राजभाषा नराकास) आदि गरिमामयी लोग उपस्थित थे।

उल्लिखित सूचना उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर बनाई गई हैं तथा मेरी जानकारी के अनुसार सही है।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष का नाम

पदनाम	कार्यालय अध्यक्ष
पता	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (नासी),5 लाजपत राय रोड, न्यू कटरा प्रयागराज -211002
फोन नंबर	0532-2640224
फैक्स नंबर	0532-2640224
ई-मेल आई डी	Nasi.allahabad1@gmail.com

अधिशासी सचिव राष्ट्रीय विज्ञा

संलग्नक

कार्यालय प्रमुख के हस्ताक्षर

कार्यालय प्रमुख का नाम एवं पदनाम- डॉ संतोष कुमार शुक्ला, अधिशाषी सचिव , एवं अध्यक्ष (राजभाषा कार्यान्वयन समिति)

विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग के स्वायत्त निकायों तथा अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित तिमाहीप्रगति रिपोर्ट

तिमाही- जुलाई-सितंबर, 2024

भाग -2 (क) - सामान्य

(प्रत्येक तिमाही में भरा जाए)

क्रसं	बिन्दु	जानकारी	लक्ष्य का विवरण
	कार्यालय/उपक्रम का नाम एवं पता	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (नासी),5 लाजपत राय रोड, न्यू कटरा प्रयागराज -211002	-
1.	क्या कार्यालय/उपक्रम राजभाषा नियमावली, 1976 के नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित है? यदि हां, तो अधिसूचना की तारीख दें।	जी हाँ, 17/03/2021 से	(कार्यालय के 80% कार्मिकों को हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान होने पर उस कार्यालय को राजभाषा नियमावली,1976 के नियम10(4) के अंतर्गत अधिसूचित किया जाएगा।)
2.	अधिकारियों/कर्मचारियों की कुल संख्या	अधिकारी - 02 कर्मचारी -06	-
3.	हिंदी में प्रवीणता प्राप्त अधिकारी/कर्मचारी	अधिकारी: 02; कर्मचारी: 06; कुल: 08	-
4.	हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त अधिकारी/कर्मचारी	- ; - ; -	-
5.	कितने अधिकारी/कर्मचारी हिंदी का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं?		-

अधिशासी
सचिव
राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत
प्रयागराज-211002

		- | - | -	
6.	शेष अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी प्रशिक्षण दिलाने की क्या व्यवस्था है और प्रशिक्षण का लक्ष्य कब तक पूरा हो जाएगा?	----------------	(निर्धारित लक्ष्य – भाषा, टंकण तथा आशुलिपि – सभी क्षेत्रों के लिए 100%)
7.	क्या उपर्युक्त बिंदु 6 के संबंध में रोस्टर बनाया गया है?	---------------	(निर्धारित लक्ष्य – रोस्टर बनाया जाना अनिवार्य)
8.	कार्यालय/उपक्रम के अनुभागों/डेस्कों की संख्या	05	
9.	उक्त में से कितने अनुभागों/डेस्कों को शतप्रतिशत प्रशासनिक कार्य हिंदी में करने के लिए राजभाषा नियमावली 1976 के नियम 8(4) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट किया गया है?	04(लेखाअनुभाग, प्रेषणअनुभाग, पुस्तकालय अनुभाग, साइंस कम्युनिकेशन अनुभाग)	(निर्धारित लक्ष्य – 'क' क्षेत्र – 40%, 'ख' क्षेत्र – 30%, 'ग' क्षेत्र – 20%)
10.	क्या राजभाषा नियमावली 1976 के नियम 8(4) के अंतर्गत हिंदी में प्रवीणता प्राप्त सभी अधिकारियों /कर्मचारियों को अपना समस्त प्रशासनिक कार्य हिंदी में करने के आदेश व्यक्तिश: जारी किए गए हैं? यदि हां तो उक्त आदेश की तारीख दें।	जी हाँ, 13/10/2023	(निर्धारित लक्ष्य – प्रवीणता प्राप्त सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अपना 100% प्रशासनिक कार्य हिन्दी में किया जाना है)
11.	क्या उक्त बिंदु 10के अंतर्गत आदेशित सभी अधिकारी/कर्मचारी अपना समस्त प्रशासनिक कार्य हिंदी में कर रहे हैं?	जी हाँ	(निर्धारित लक्ष्य – प्रवीणता प्राप्त सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अपना 100% प्रशासनिक कार्य हिन्दी में किया जाना है)
12.	उप सचिव/समकक्ष या उच्च स्तर के अधिकारियों की संख्या, हिंदी के ज्ञान	कुल सं. | हिंदी में प्रवीणता | हिंदी का | कॉलम 2 में से कितने अधिकारी अपना समस्त |	(कार्य का निर्धारित लक्ष्य

अधिशासी सचिव
राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत
प्रयागराज 211002
अधिशासी सचिव

<table>
<tr><td></td><td>का स्तर व कार्य का प्रतिशत बताएं</td><td><table><tr><td></td><td>प्राप्त</td><td>कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त</td><td>प्रशासनिक कार्य हिंदी में करते हैं</td></tr><tr><td>(1)</td><td>(2)</td><td>(3)</td><td>(4)</td></tr><tr><td>02</td><td>02</td><td>–</td><td>जी हाँ</td></tr></table></td><td>– प्रवीणता प्राप्त – 100% तथा कार्य साधक ज्ञान प्राप्त – 75%)</td></tr>
<tr><td>13.</td><td>क्या कार्यालय द्वारा हिंदी में टिप्पणी/आलेखन के लिए कोई योजना चलाई जा रही है?</td><td>नहीं</td><td></td></tr>
<tr><td>14.</td><td>आशुलिपिकों/टंककों/लिपिकों की कुल संख्या</td><td>कुल आशुलिपिक – 00
कुल टंकक/लिपिक –05</td><td></td></tr>
<tr><td>15.</td><td>इनमें से हिंदी आशुलिपि/टंकण जानने वालों की संख्या</td><td>आशुलिपिक – 00
टंकक/लिपिक –05</td><td>(निर्धारित लक्ष्य – 100%)</td></tr>
<tr><td>16.</td><td>प्रशिक्षण हेतु शेष आशुलिपिकों/टंककों/लिपिकों की संख्या</td><td>आशुलिपिक --
टंकक/लिपिक-----</td><td>(निर्धारित लक्ष्य – 100%)</td></tr>
<tr><td>17.</td><td>उपर्युक्त में से कितने आशुलिपिक/टंकक/लिपिक हिंदी आशुलिपि/टंकण का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं?</td><td>आशुलिपिक -----
टंकक/लिपिक--------</td><td>(निर्धारित लक्ष्य – 100%)</td></tr>
<tr><td>18.</td><td>शेष आशुलिपिकों/ टंककों/लिपिकों को हिंदी आशुलिपि/टंकण प्रशिक्षण दिलाने की क्या व्यवस्था है और प्रशिक्षण का लक्ष्य कब तक पूरा कर लिया जाएगा?</td><td>------</td><td>(निर्धारित लक्ष्य – 100%)</td></tr>
<tr><td>19.</td><td>क्या उपर्युक्त के संबंध में रोस्टर बनाया गया है?</td><td>नहीं</td><td>(निर्धारित लक्ष्य – रोस्टर बनाया जाना अनिवार्य)</td></tr>
<tr><td>20.</td><td>कार्यालय में हिंदी पदों का विवरण</td><td><table><tr><td>पदनाम</td><td>पदों की संख्या</td><td>भरा हुआ है अथवा रिक्त है (तारीख सहित)</td></tr><tr><td>1-कनिष्ठ हिंदी अनुवादक
2- टंकक</td><td>02</td><td>दोनों पद रिक्त हैं</td></tr></table></td><td>(निर्धारित लक्ष्य – 25 अनुसचिवीय (clerical) पदों पर न्यूनतम एक हिंदी कार्मिक का पद)</td></tr>
<tr><td>21.</td><td>उपर्युक्त में से पदों को सृजित करने तथा रिक्त पदों को भरने के लिए क्या कार्रवाई की गई है?</td><td>एक कनिष्ठ हिंदी अनुवादक एवं एक टंकक पद के सृजन हेतु DST, नई दिल्ली को भेजा गया है।</td><td></td></tr>
</table>

अधिशासी
सचिव
राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत
प्रयागराज-211002

भाग – 2 (ख) – राजभाषा अधिनियम/नियम/वार्षिक कार्यक्रम और अन्य आदेशों/अनुदेशों के अनुपालन संबंधी रिपोर्ट

(प्रत्येक तिमाही में भरा जाए)

क्रसं	बिन्दु	जानकारी	लक्ष्य का विवरण
1	अधिकारियों/कर्मचारियों में हिंदी में कार्य के प्रति जागरूकता एवं रूचि उत्पन्न करने के लिए क्या कार्यशालाओं का आयोजन नियमित रूप से किया जाता है?	कार्यशालाओं की संख्या – 01 प्रशिक्षित – अधिकारी – 02 कर्मचारी – 06	**(प्रत्येक तिमाही में एक अर्थात वर्ष में चार कार्यशालाओं का आयोजन अनिवार्य है)**
	यदि हां तो निरीक्षण तिथि से पिछले एक वर्ष के दौरान कितनी कार्यशालाएं आयोजित की गईं और कितने अधिकारियों/कर्मचारियों ने उनमें भाग लिया?	04, कार्यशाला में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।	
2	रजिस्टरों की संख्या तथा उनमें हिंदी के प्रयोग की स्थिति	रजिस्टरों की संख्या – 18 जिनके शीर्षक तथा विषय द्विभाषी हैं – 18 जिनमें हिंदी में प्रविष्टियां की जा रही हैं – जी हाँ	**(निर्धारित लक्ष्य- रजिस्टरों में हिन्दी में 100 प्रतिशत प्रविष्टि)**
3	कार्यालय/उपक्रम में प्रयोग में लाए जा रहे कम्प्यूटरों की संख्या तथा उनमें हिंदी के प्रयोग की स्थिति	कम्प्यूटरों की संख्या – 36 जिनमें हिंदी में कार्य करने की सुविधा उपलब्ध है – 36 कम्प्यूटरों पर हिंदी में किए जाने वाले कार्य का प्रतिशत – 100%	**(निर्धारित लक्ष्य- 100 प्रतिशत कंप्यूटरों में हिन्दी और 100% कार्य हिन्दी में)**
4	कम्प्यूटरों पर हिंदी में कार्य करने के लिए प्रशिक्षण की क्या व्यवस्था की गई है?	------------	
5	क्या कार्यालय/संस्थान की वेबसाइट है? यदि हां तो क्या वह द्विभाषी है? वेबसाइट का पता तथा हिंदी वेबसाइट के अद्यतनीकरण की तारीख	**nasi.org.in (द्विभाषी) 21/10/23 से**	**(निर्धारित लक्ष्य- वेबसाइट 100% द्विभाषी एवं अद्यतन)**
6	क्या प्रयोग में लाई जा रही सभी रबड़ की मुहरें, नामपट्ट, सूचना पट्ट, सील, पत्र शीर्ष, लोगो, चार्ट/मानचित्र आदि द्विभाषी हैं? यदि नहीं, तो कारण बताएं और स्पष्ट करें कि उन्हें कब तक द्विभाषी बना लिया जाएगा।	सभी द्विभाषी हैं	**(निर्धारित लक्ष्य- 100% द्विभाषी)**
7	क्या सभी फाइलों पर विषय/शीर्षक द्विभाषी अथवा केवल हिंदी में हैं?	सभी द्विभाषी हैं	**(निर्धारित लक्ष्य- 100% द्विभाषी/हिन्दी)**

अधिशासी सचिव
राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत
प्रयागराज-211002

8	फाइलों में कितने प्रतिशत टिप्पणियां हिंदी में लिखी जा रही हैं?	100%	(निर्धारित लक्ष्य – 'क' क्षेत्र – 75%, 'ख' क्षेत्र – 50%, 'ग' क्षेत्र – 30%)
9	सेवा पंजियों की संख्या तथा उनमें हिंदी के प्रयोग की स्थिति	सेवा पंजियों की संख्या - 16 जिनके शीर्षक तथा विषय द्विभाषी हैं - 16 जिनमें हिंदी में प्रविष्टियां की जा रही हैं -16	(निर्धारित लक्ष्य-100% शीर्षक तथा विषय और प्रविष्टियाँ द्विभाषी/हिन्दी)
10	क्या सभी कोड/मैनुअल डिग्लॉट रूप में उपलब्ध हैं?	कुल संख्या: 01 द्विभाषी की संख्या: 01	(निर्धारित लक्ष्य-100% द्विभाषी)
11	क्या सभी फॉर्म द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं?	कुल संख्या: 15 द्विभाषी की संख्या: 15	(निर्धारित लक्ष्य-100% द्विभाषी)
12	शेष बचे कोड/मैनुअल, फॉर्मों आदि के अनुवाद की क्या स्थिति है और इन्हें कब तक डिग्लॉट रूप में/द्विभाषी बनवा लिया जाएगा?	सभी द्विभाषी हैं	(निर्धारित लक्ष्य-100% द्विभाषी)
13	क्या कार्यालय/संस्थान द्वारा कोई विभागीय या पदोन्नति परीक्षा या साक्षात्कार लिया जाता है? यदि हां, तो उसमें क्या हिंदी माध्यम का विकल्प है?	----------------	(निर्धारित लक्ष्य-हिन्दी माध्यम का विकल्प अनिवार्य)
14	क्या कार्यालय/उपक्रम द्वारा कोई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं? यदि हां, तो	-------	
15	क्या हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाता है?	हां	(निर्धारित लक्ष्य-हिन्दी माध्यम का विकल्प अनिवार्य)
16	क्या प्रशिक्षण सामग्री हिंदी में अथवा द्विभाषी रूप में है?	-----------	(निर्धारित लक्ष्य-हिन्दी माध्यम का विकल्प अनिवार्य)
17	क्या यह सुनिश्चित किया जाता है कि अन्य शीर्षस्थ प्रशासनिक बैठकों में से 33 प्रतिशत बैठकों की कार्रवाई हिंदी में ही हो और उनके संबंधित कागजात हिंदी में ही जारी किए जाएं?	जी हाँ,सम्बंधित कागजात हिंदी में ही जारी किये जाते हैं।	
18	क्या कार्यालय/ संस्थान स्थानीय नगर	जी हाँ,	(नराकास की

अधिशासी
सचिव
राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत
प्रयागराज-211002

	राजभाषा कार्यान्वयन समिति का सदस्य है? यदि हां तो क्या नराकास की बैठकों में कार्यालय प्रमुख स्वयं भाग लेते हैं? यदि हां तो बैठक में भाग लेने वाले अधिकारी का नाम एवं पदनाम दें।	1- डॉ संतोष कुमार शुक्ला, अधिशाषीसचिव (अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति) 2- शक्तिशील चतुर्वेदी (सदस्य सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति)	सदस्यता तथा कार्यालय प्रमुख द्वारा बैठकों में भागीदारी अनिवार्य)
19	कार्यालय/संस्थान द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पत्रिकाएं	कुल: 03 द्विभाषी: -- हिंदी: -- अंग्रेजी: 03	(निर्धारित लक्ष्य- 100% द्विभाषी अपेक्षित)
20	वर्ष 2020-23 के दौरान पुस्तकों (जर्नल तथा मानक संदर्भ ग्रंथों को छोड़कर) की खरीद पर किया गया कुल व्यय	रुपये 30145/=	
21	उक्त में से हिंदी पुस्तकों की खरीद पर किया गया व्यय	रुपये 14923/=	(निर्धारित लक्ष्य- डिजिटल सामग्री अर्थात हिन्दी ई-पुस्तकतथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिन्दी में अनुवाद सहित हिन्दी पुस्तकों पर व्यय, समस्त पुस्तकों पर व्यय की गयी राशि का 50%)
22	पिछले एक वर्ष के दौरान कार्यालय द्वारा जारी किए गए प्रिन्ट मीडिया तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में विज्ञापनों की संख्या तथा उन पर किए गए व्यय का विवरण	विज्ञापनों की सं. तथा कुल व्यय: रुपये 4057/= हिंदी माध्यम के विज्ञापनों पर किया गया व्यय: रुपये 4057/= अंग्रेजी माध्यम के विज्ञापनों पर किया गया व्यय: ---- अन्य भाषाओं के विज्ञापनों पर किया गया व्यय: ---	(निर्धारित लक्ष्य- (1.) विज्ञापन 100% द्विभाषी तथा (2.) हिन्दी विज्ञापनों पर न्यूनतम 50% व्यय)
23	पिछले एक वर्ष के दौरान कार्यालय द्वारा प्रदर्शन/ बैनर/ होर्डिंग आदि पर किए गए व्यय का विवरण	हिंदी माध्यम के प्रदर्शन/ बैनर/ होर्डिंग पर किया गया व्यय: अंग्रेजी माध्यम के प्रदर्शन/ बैनर/ होर्डिंग पर किया गया व्यय: --- अन्य भाषाओं के प्रदर्शन/ बैनर/ होर्डिंग पर किया गया व्यय: --- इस मद में किया गया कुल व्यय: रुपये 12000/=	(निर्धारित लक्ष्य- (1.) प्रदर्शन/ बैनर/ होर्डिंग100% द्विभाषी तथा (2.) हिन्दी प्रदर्शन/ बैनर/ होर्डिंग पर न्यूनतम 50% व्यय)

अधिशासी सचिव
राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत
प्रयागराज-211002

		रुपये 12000/=				

अधिशासी सचिव राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत प्रयागराज-211002

कार्यालय प्रमुख के हस्ताक्षर

कार्यालय प्रमुख का नाम एवं पदनाम- डॉ संतोष कुमार शुक्ला, अधिशाषी सचिव , एवं अध्यक्ष (राजभाषा कार्यान्वयन समिति)

प्रमाण-पत्र

कार्यालय कोड: OFUP 4731 वित्तीय वर्ष: 2024-25

"मैं यह प्रमाणित करता हूं/करती हूँ कि संलग्न 30, सितम्बर 2024 को समापत तिमाही प्रगति रिपोर्ट (भाग-1, 2(क) तथा 2(ख)) में दी गई सूचना उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर बनाई गई है तथा मेरी जानकारी के अनुसार पूर्णतया सत्य है। मैं यह अच्छी तरह समझता हूं/समझती हूँ कि राजभाषा अधिनियम एवं राजभाषा नियम 1976 के उपबंधों में दिए गए निदेशों के समुचित अनुपालन की जिम्मेदारी अधोहस्ताक्षरी की है। यदि किसी स्टेज पर रिपोर्ट में भरे गए आंकड़े असत्य अथवा बढा-चढ़ा कर दिखाए गए पाए जाते हैं तो इस कार्यालय को अगले 03 वर्षों के लिए राजभाषा पुरस्कार से वंचित कर दिया जाएगा तथा गलत सूचना देने के लिए कार्रवाई हेतु मामला मेरे नियंत्रक कार्यालय/मंत्रालय के संज्ञान में भी लाया जाएगा।"

(मुहर सहित हस्ताक्षर)

अधिशासी सचिव राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत प्रयागराज-211002

विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष का नाम- डॉ संतोष कुमार शुक्ला

पदनाम- अधिशाषी सचिव एवं अध्यक्ष (राजभाषा कार्यान्वयन समिति)

कार्यालय का नाम- राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (नासी), 5 लाजपत राय रोड, न्यू कटरा प्रयागराज -211002

दूरभाष/फैक्स नंबर- 0532-2640224

ई-मेल का पता- nasi.allahabad1@gmail.com

तिथि:- 14/10/2024

स्थान:- प्रयागराज

नोट:- उक्त हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र तिमाही प्रगति रिपोर्ट के साथ अनिवार्य रूप सेभेजाजाए अन्यथा आपकी रिपोर्टअधूरी समझी जाएगी।

15 जनवरी 2025

सेवा में,
श्री कामाख्या नारायण सिंह
उपनिदेशक, राजभाषा विभाग
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
टेक्नोलॉजी भवन, नया महरौली रोड, नई दिल्ली– 110016

विषयः– वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट अग्रेषण के संबंध में

महोदय,

संदर्भित विषय में दिनांक 13 जनवरी 2025 को प्राप्त आपके पत्र संख्या (मिसिल संख्या ई–13013/2024–रा.भा.) के सापेक्ष में राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (नासी), प्रयागराज की वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट अग्रेषित की जा रही है।

अतः आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त रिपोर्ट देखने की कृपा करें।

भवदीय

कृते

डॉ0 संतोष शुक्ला
अधिशासी सचिव
राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (नासी)
5, लाजपतराय रोड, नया कटरा,
प्रयागराज– 211002

सहायक अधिशाषी सचिव
नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस,इण्डिया
प्रयागराज-211002

राजभाषा हिंदी के प्रयोग संबंधी वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट का प्रोफार्मा

मंत्रालय/विभाग/कार्यालय का नाम	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत 5, लाजपतराय रोड, न्यू कटरा, प्रयागराज –211002
कार्यालय किस क्षेत्र में स्थित है	क

1. **राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अधीन जारी किये गए कागजात**

(क) जारी कागजात की कुल संख्या	161
(ख) इनमें से केवल अंग्रेजी में जारी किये गए कागजात	00

2. **हिंदी में पत्राचार (राजभाषा नियम–5)**

(क) हिंदी में प्राप्त कुल पत्र	76
(ख) कितनों का उत्तर हिंदी में दिया गया	35
(ग) कितनों का उत्तर अंग्रेजी में दिया गया	00
(यह सूचना कार्यालय पद्धति मैनुअल अध्याय 4 पैरा 12(1) द्वारा निर्धारित डायरी रजिस्टर से दी जाए)	

3. **मूल पत्राचार–पत्रादि**

(क) हिंदी में भेजे गये **(क, ख, एवं ग क्षेत्रों में)**	7556
(ख) अंग्रेजी में भेजे गये **(क, ख, एवं ग क्षेत्रों में)**	00
(ग) दविभाषी रूप में भेजे गये **(क, ख, एवं ग क्षेत्रों में)**	7556

4. **फाइलों पर हिंदी में कार्य**

(क) वर्ष के दौरान लिखी गई टिप्पणियों की संख्या	855
(ख) हिंदी में लिखी गई टिप्पणियों की संख्या	855
(ग) अंग्रेजी में लिखी गई टिप्पणियों की संख्या	00

5. **अधिकारियों/कर्मचारियों की कुल संख्या**

(क) अधिकारियों/कर्मचारियों की कुल संख्या	02 अधिकारी एवं 06 कर्मचारी
(ख) उपर्युक्त (क) में से हिंदी कार्यसाधक या उच्च स्तर का ज्ञान प्राप्त अधिकारियों/कर्मचारियों की संख्या	....
(ग) उपर्युक्त (ख) में से हिंदी में प्रवीणता प्राप्त अधिकारियों/कर्मचारियों की संख्या	02 अधिकारी एवं 06 कर्मचारी
(घ) उपर्युक्त (क) में से कितने में प्रवीणता प्राप्त अधिकारियों/कर्मचारियों हिंदी का प्रशिक्षण पा रहें हैं	....
(ड़) हिंदी के प्रशिक्षण के लिए शेष	....

6. **टंकक/आशुलिपिक टंकक**

		टंकक		आशुलिपिक		योग
(क)	कुल संख्या	05				05
(ख)	जो दिनों भाषाओं में टंकण/आशुलिपिक का कार्य करना जानते है	05		...		05
(ग)	जो अंग्रेजी टंकण/आशुलिपिक का कार्य करना जानते है	05		...		05
(घ)	कार्यालय में कुल टंकण/आशुलिपिक कार्य की	100/.		...		100/.

पविता शर्मा

सहायक अधिशाषी सचिव
नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस,इण्डिया
प्रयागराज-211002

	तुलना में हिंदी टंकण/आशुलिपिक कार्य की प्रतिशतता					

7. कंम्प्यूटर/लैपटॉप आदि से संबंधित विवरण तथा कंम्प्यूटर प्रशिक्षण की स्थिति: संख्या

(क)	कंम्प्यूटर /लैपटॉप की कुल संख्या	36
(ख)	हिंदी में काम करने की सुविधायुक्त	36
(ग)	युनिकोड संबंधित कंम्प्यूटर /लैपटॉप की कुल संख्या	36
(घ)	केवल अंग्रेजी में	द्विभाषी
(ड़)	कुल अधिकारियों/कर्मचारियों की संख्या	02 अधिकारी/ 06 कर्मचारी
(च)	कंम्प्यूटर पर हिन्दी में काम करने के लिए प्रशिक्षित अधिकारियों/कर्मचारियों की संख्या	....

8. वेबसाइट की उपलब्धता हाँ/नहीं

(क)	वेबसाइट आंशिक रूप से हिन्दी में	.....
(ख)	वेबसाइट पूरी तरह से द्विभाषी रूप में	हाँ
(ग)	वेबसाइट केवल अंग्रेजी में	नहीं

9. सम्पूर्ण कार्य हिंदी में करने के लिए अनुभागों की विनिर्दिष्ट करने से संबंधित स्थिति

(क)	कुल अनुभागों की संख्या	05
(ख)	सम्पूर्ण कार्य हिंदी में करने के लिए विनिर्दिष्ट अनुभागों की संख्या	05

10. राजभाषा में कोड/मैनुअल की उपलब्धता (सांविधिक/कार्यालयाधीन/तकनीकी साहित्य)

क्र सं.	श्रेणी	कुल संख्या	दि्वभाषी	केवल अंग्रेजी में	केवल हिंदी में	दभाषी अथवा हिंदी में न होने का कारण
1	अधिनियम/नियम	01	01	.....	.....	....
2	कार्यालयाधीन कोड/ मैनुअल	01	01	.....	.....	....
3	मानक फार्म	15	15	.....	.....	....
4	तकनीकी साहित्य	.....	.....	....	.....	.....
5	प्रशिक्षण साहित्य/सामग्री	.....	.....	....	.....	.....
6	अन्य प्रकाशन	03	....	03	......	अर्न्तराष्ट्रीय जर्नल (फिजिकल साइंस सेक्सन ए, बायोलॉजिकल साइंस सेक्सन बी एवं साइंस लेटर्स)
	कुल योग	20	17	03	....	....

पवित्रा 6095

सहायक अधिशाषी सचिव
नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस,इण्डिया
प्रयागराज-211002

11. शीर्षस्थ प्रशासनिक बैठकें

क	वर्ष के दौरान हुई शीर्षस्थ प्रशासनिक बैठकों की संख्या	45 (आनलाइन एवं आफलाइन माध्यम द्वारा)
ख	ऐसी कितनी बैठकों में वार्तालाप/कार्यवाई पूरी तरह से हिंदी मे की गई	उपरोक्त सभी बैठकों में (द्विभाषी)

12. मंत्रालय/विभाग आदि की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें

वर्ष के दौरान कितनी बैठके आयोजित की गई	05

13. वर्ष के दौरान राजभाषा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित अन्य विशिष्ट उपलब्धियों/कार्यों का द्विभाषी विवरण

1. 28 मार्च, 2023 को हिंदी कार्यशाला
2. 29 नवम्बर, 2023 को माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा कार्यालय का निरीक्षण
3. 08 सितम्बर, 2023 को विज्ञान विषय से संबंधित हिंदी कार्यशाला
4. 16–30 सितम्बर, 2023 में हिंदी पखवाडे के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

सहायक अधिशाषी सचिव
नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस, इंडिया
प्रयागराज-211002